Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 03 फरवरी, 2023

फेरी रोबोट (FAIRY Robot)

हाल ही में **टाम्परे विश्वविद्यालय** के शोधकर्त्ताओं ने **सहिपर्णी बीज (Dandelion Seed)** से प्रेरित एक छोटा उड़ने वाला रोबोट विकसित किया है, जो वायु से संचालित होता है तथा प्रकाश का उपयोग करके इसे नियंत्रित किया जा सकता है। यह संभावित रूप से परागणकों की जगह ले सकता है **लाइट रेस्पॉन्सवि मैटेरियल्स असेंबली (Light Responsive Materials Assembly)** पर आधारित यह फेरी रोबोट (FAIRY Robot) वायु में उड़ने वाला एक छोटा व हल्का रोबोट है। रोबोट को **लेज़र बीम या एलईडी जैसे प्रकाश स्रोत से नियंत्रित** किया जा सकता है यानी शोधकर्त्ता रोबोट के आकार को परिवर्तित करने के लिये प्रकाश का उपयोग कर सकते हैं, जिससे वह हवा की दिशा के अनुकूल हो सके। इस लाइट बीम का उपयोग **टेक-ऑफ और लैंडिंग** को नियंत्रित करने के लिये भी किया जा सकता है। सहिपर्णी बीजों से प्रेरित पॉलिमर असेंबली रोबोट प्रकाश-नियंत्रित तरल क्रिस्टलीय इलास्टोमर से बने नरम प्रवर्तक (Actuator) से लैस है। परिणामस्वरूप शोधकर्त्ता दृश्य प्रकाश का उपयोग करके प्रवर्तक के ब्रिसल्स (Actuator's Bristles) को खोलने या बंद करने में सक्षम हैं। यह रोबोट के यथार्थवादी अनुप्रयोग की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जो परागणकों (Pollinators) के रूप में कार्य कर सकता है।

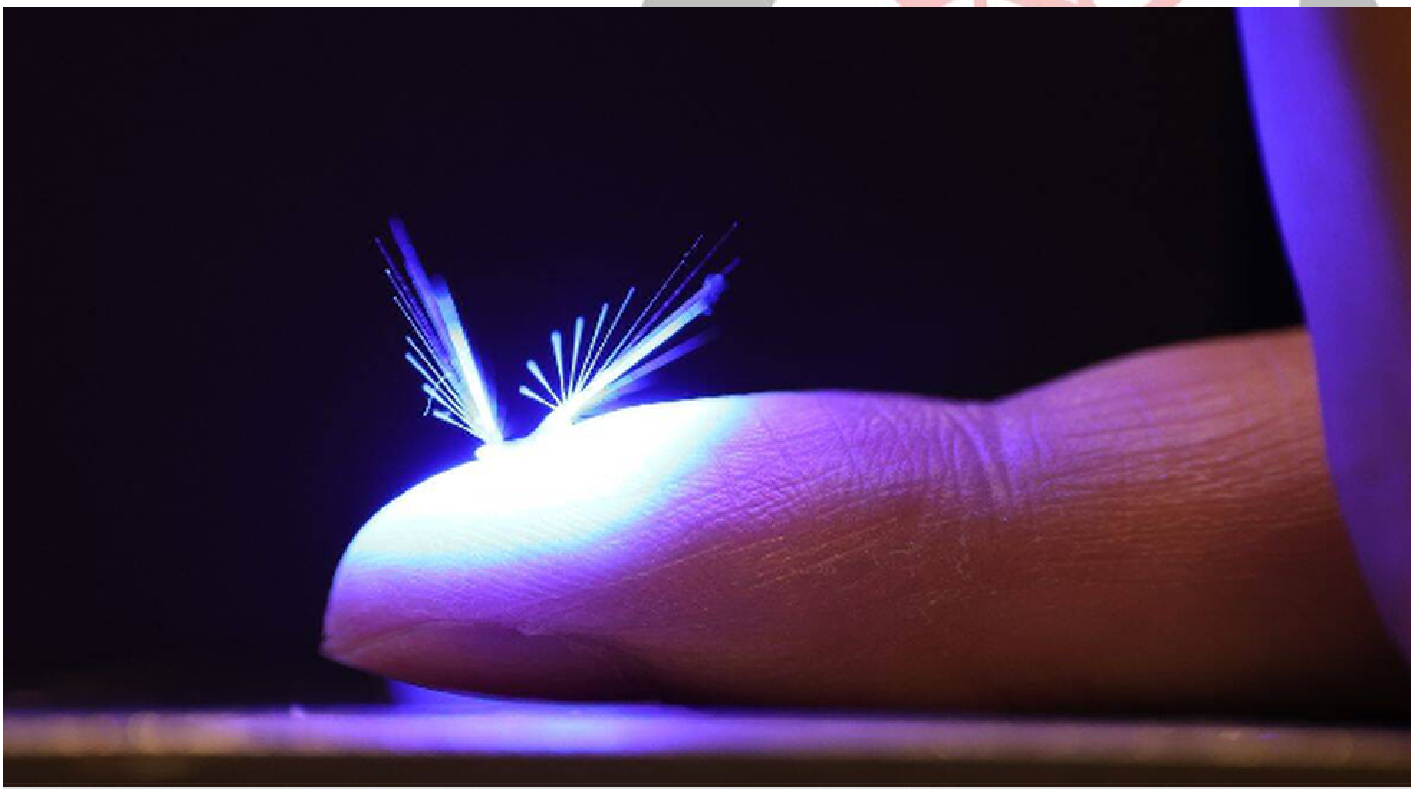

//

विश्व आर्द्रभूमि दिवस

प्रत्येक वर्ष **2 फरवरी को पूरे विश्व में "विश्व आर्द्रभूमि दिवस" यानी "वर्ल्ड वेटलैंड डे"** मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1971 में ईरान के शहर रामसर

में कैस्पियन सागर के तट पर आर्द्रभूमि पर अभिसमय (Convention on Wetlands) को अपनाया गया था। विश्व आर्द्रभूमि दिवस **पहली बार 2 फरवरी, 1997** को रामसर सम्मेलन के 16 वर्ष पूरे होने पर मनाया गया था। आर्द्रभूमि विश्व के कुछ सबसे नाजुक और संवेदनशील पारिस्थितिकि तंत्र हैं जो पौधों एवं पशुओं के लिये अद्वितीय आवास हैं तथा विश्व भर में लाखों लोगों को आजीविका प्रदान करते हैं। इस दिवस का आयोजन लोगों और हमारे ग्रह हेतु आर्द्रभूमि की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिये किया जाता है। वर्तमान में भारत में कुल 75 वेटलैंड्स साइट्स ऐसी हैं जो रामसर साइट्स में शामिल हैं। विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2023 की थीम '**इट्स टाइम फॉर वेटलैंड्स रिस्टोरेशन**' है।

महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र

वित्त मंत्री ने हाल ही में केंद्रीय बजट में महिलाओं और लड़कियों के लिये एक नई बचत योजना '**महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र**' की घोषणा की। इस योजना में जमाराशि पर **दो वर्ष के लिये 7.5 प्रतिशत** की निश्चित दर से ब्याज मिलेगा। योजना के तहत किसी महिला या बालिका के नाम पर धनराशि जमा की जा सकती है। इसके तहत **अधिकतम जमाराशि दो लाख रुपए** रखी गई है तथा इसमें कोई कर लाभ नहीं है, लेकिन इस योजना में आंशिक निकासी की अनुमति है। बजट 2023 में घोषित यह योजना दो वर्ष की अवधि के लिये यानी **मार्च 2025 तक** उपलब्ध रहेगी। यह अधिक-से-अधिक महिलाओं को औपचारिक वित्तीय बचत साधनों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित करेगी।

APEDA ने UAE के साथ वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन

मोटा अनाज के **निर्यात को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA)** ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में निर्यात के अवसरों का पूर्ण लाभ उठाने के लिये एक वर्चुअल-क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन किया।**APEDA ने दक्षिण अफ्रीका, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम तथा संयुक्त राष्ट्र में मोटा अनाज के प्रचार करने की भी योजना बनाई है।** भारत के **प्रमुख मोटा अनाज निर्यातक देश UAE, नेपाल, साऊदी अरब, लीबिया, ओमान, मिस्र, ट्यूनीशिया, यमन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राष्ट्र** हैं जिनमें प्रमुख किस्मों के अंतर्गत **बाजरा, रागी, कैनरी, ज्वार और बकवीट हैं।**

और पढ़ें... [**APEDA**](), [**भारत का मोटा अनाज क्रांति**](), [**भारत-यूएई संबंध**]()

मशिन डीप ओशन

[**केंद्रीय बजट 2023-24**]() में संसाधनों के सतत् उपयोग से **समुद्री जैवविविधिता का पता लगाने को डीप ओशन मशिन हेतु 600 करोड़ रुपए** आवंटति कयि गए हैं। इस मशिन के तहत मध्य [**हदि महासागर में खनजि अन्वेषण को सुगम बनाने के लयि तीन लोगों को 6,000 मीटर की गहराई तक ले जाने वाली एक मानवयुक्त पनडुब्बी वकिसति की जाएगी।**]() वरष 2016 में **भारत को मध्य हदि महासागर बेसनि** से 5,000-6,000 मीटर की गहराई पर पॉलीमेटैलकि नोड्यूल के खनन के लयि 75,000 कमिी. वरग क्षेत्र का पता लगाने के लयि **15 वरष का अनुबंध दयिा गया था।**

और पढ़ें... [**मशिन डीप ओशन**]() , [**मशिन समुद्रयान**]()

मैंग्रोव के लयि मष्टिी पहल

केंद्रीय बजट 2023-24 में समुद्र तट के कनिारे और लवणीय भूमि पर मैंग्रोव वृक्षारोपण के लयि "**तटीय पर्यावास एवं ठोस आमदनी हेतु मैंग्रोव पहल**" **(Mangrove Initiative for Shoreline Habitats & Tangible Incomes- MISHTI)** की घोषणा की गई है। इससे पहले भारत [**UNFCCC COP27**]() के दौरान लॉन्च कयि गए '**जलवायु के लयि मैंग्रोव गठबंधन**' में शामलि हुआ था। यद्यपि मैंग्रोव ग्रह की सतह के केवल 0.1% हस्सि को कवर

करते हैं, वे संभावित रूप से स्थलीय वनों की तुलना में प्रति हेक्टेयर 10 गुना अधिक कार्बन स्टोर कर सकते हैं। वे तूफान के खिलाफ एक प्राकृतिक बाधा के रूप में कार्य कर तटीय समुदायों की रक्षा करते हैं। [भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2021](#) के अनुसार, **भारत का कुल मैंग्रोव कवर क्षेत्र 4,992 वर्ग किमी.(कुल भौगोलिक क्षेत्र का 0.15%) है।** भारत ने पिछली शताब्दी के दौरान अपने मैंग्रोव कवर का 40% हिस्सा खो दिया, केरल ने पिछले 3 दशकों में अपने मैंग्रोव का 95% हिस्सा खो दिया।

और पढ़ें... [मैंग्रोव वन](#), [‘जलवायु के लिये मैंग्रोव गठबंधन’](#)

त्रिशक्ति प्रहार अभ्यास

हाल ही में भारतीय सेना ने **त्रिशक्ति प्रहार अभ्यास, उत्तर बंगाल में एक संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास** (रणनीतिक [‘सिलीगुड़ी’ गलियारे](#) के करीब) का समापन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य **सेना, भारतीय वायुसेना** और [केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल](#) (CAPF) को शामिल कर एकीकृत रूप से नवीनतम हथियारों एवं उपकरणों का उपयोग करते हुए सुरक्षा बलों द्वारा युद्ध की तैयारी का अभ्यास करना था। इस अभ्यास का समापन तीस्ता फील्ड फायरिंग रेंज में एकीकृत अग्नि शक्ति अभ्यास के साथ हुआ। इसमें सेना, भारतीय वायु सेना और सीएपीएफ के सभी हथियार और सेवाएँ शामिल थीं।**सिलीगुड़ी कॉरिडोर या चिकन नेक (पश्चिम बंगाल)** बांग्लादेश, भूटान और नेपाल की सीमा से लगी भूमि का एक हिस्सा है, जो लगभग 170x60 किमी. है।**सबसे संकीर्ण स्थान पर यह लगभग 20-22 किमी. चौड़ा है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-03-february-2023